





पूरे सप्ताह चालीस से अधिक घंटे काम करने के बाद कोई भी वर्किंग वूमन वीकेंड आते-आते बर्न आउट हो सकती है। होममेकर की तो और ज्यादा दयनीय स्थिति हो जाती है, उसका तो कोई वीकेंड होता ही नहीं। हफ्ते के सातों दिन जी तोड़ मेहनत, एक-सी दिनचर्या। तो क्या आप चाहेगी इस ट्रेड को बदला जाए? निश्चित ही हम सभी एक बदलाव की जरूरत महसूस करते हैं। तो फिर हम क्यों न सुनें, थोड़ी अपने मन की, थोड़ी अपने दिल की।

## सुनें अपने दिल की

कवर स्टोरी

अंशु सिंह

साल 2021 में शालिनी को मार्केटिंग एजेंसी में एक पसंदीदा नौकरी मिली थी। अपने चुने हुए करियर की दिशा में यह उनका

पहला बड़ा कदम था। अगले ही वर्ष उन्होंने तय किया कि वे जगह-जगह देवारा से घूमने के अपने सपने को पूरा करना चाहती हैं। इसलिए उन्होंने अपनी एक टैबल एजेंसी शुरू की। दो साल तक यात्रा जारी रखते हुए अपने बिजनेस को संभाला। लेकिन फिर वह पूरी तरह थक कर चूर हो गईं। अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। एड्रिनल बर्नआउट (अत्यधिक तनाव के कारण शरीर का थक जाना), रिश्तों में तनाव और जिंदगी की दूसरी परिस्थितियों के कारण पड़ने वाले देबाव की वजह से सब कुछ छोड़ना पड़ा। शालिनी बताती हैं, 'पूरे एक साल तक लगातार अपनी पूरी ऊर्जा झोंकने के बाद मेरी सारी शक्ति खत्म हो गई थी। लगभग हर दिन पैनिंग अटैक से जूझने लगी थी। यहां तक कि घर के सबसे छोटे-मोटे काम भी बहुत भारी लगने लगे थे। फिर मैंने पाया कि अपने भीतर की कुछ खास भावनाओं या ऊर्जा पर ध्यान लगाने से मेरे मन को शांति मिली। अब मेरा फोकस सिर्फ इतना पैसा कमाने पर है, जिससे मेरी बुनियादी जरूरतें पूरी हो सकें।'

### परफेक्ट बनने के चक्कर में उलाझी जिंदगी

लेखिका एवं कोच जेस स्टुअर्ट भी कॉर्पोरेट जगत में काम करते हुए पूरी तरह से थक कर चूर हो गई थीं यानी 'बर्नआउट' की शिकार हो गई थीं। क्योंकि वह खुद को साबित करने और अपने आस-पास के हर किसी का ख्याल रखने में ही बहुत अधिक बिजी थीं। उनके अनुसार, वे एक साथ बहुत सारी चीजें संभालने की कोशिश कर रही थीं और उन सभी को एकदम परफेक्ट बनाना चाहती थीं। लेकिन इससे वह मुश्किल से ही तालमेल बिठा पा रही थीं। उन्हें जिन या काम पर जाने से पहले सुबह जल्दी उठकर योग करने की हिम्मत नहीं होती थी। वह खुद को ही कोसती रहती थीं। उन्हें एहसास हुआ कि यात्रा करने और मीटिंग्स में शामिल होने में ही वे घंटों बिता देती थीं। असल में अपनी जिंदगी नहीं जी रही थीं। अपनी किताब 'बर्नआउट टु ब्रिलियंस' में वे लिखती हैं,

### जॉब से ब्रेक लेकर पूरे करें पैशन

हमें उदाहरण के तौर पर कई ऐसी महिलाएं मिल जाएंगी, जिन्होंने अपने करियर में उंची उड़ानें भर-मोटे सैलरी पैकेज के साथ उन्हें कंपनी की गाड़ी और शानदार घर भी मिला। जिंदगी भरपूर एंजॉय के साथ चलने लगी। 35 साल की उम्र तक लगा कि सब हसिल कर लिया है। लेकिन एक दिन उन्हें एहसास होता है कि वह तो भागती जिंदगी का हिस्सा बनकर रह गई हैं। अचानक खुशी नहीं मिल रही है। अंदर से खालीपन महसूस हो रहा है। वे यह भूल चुकी थीं कि उनके लिए क्या जरूरी है और असल में उन्हें क्या चाहिए? उनकी सेहत बिगड़ने लगी। तब उन्होंने पहली बार 'बर्नआउट' (मानसिक और शारीरिक थकावट) का अनुभव किया। ऐसी थकान होने लगी कि कितनी भी नींद या लंबा वीकेंड उसे दूर नहीं कर पाती। ऐसा लगता जैसे कि सारी ऊर्जा खत्म हो चुकी है। लगभग हर चीज के लिए अपना उत्साह खो दिया है। अंत में उन्होंने सब कुछ छोड़ने का निर्णय लिया। नई शुरुआत की। उन्हें लगा क्यूजिक सीखना चाहिए, पेंटिंग करना चाहिए। अपने पैशन को जीना चाहिए। उन्होंने वह सब करना शुरू किया, जिसकी चाहत उन्हें बरसों से थी। ऐसा होते ही वह खुश रहने लगीं।

'मैं अपने जुनून को पूरा करना चाहती थी। मैंने लंबे समय के रिश्ते, कॉर्पोरेट जगत का करियर छोड़ दिया और पूरी तरह से दिशा बदलने का फैसला किया। मैंने किताबें लिखनी शुरू की। बाली की यात्रा की। ब्रिटेन में उन लोगों के साथ समय बिताया, जिन्हें मैं प्यार करती थी। इन यात्राओं के बीच कई ट्रिप्ट और आश्रमों में भी समय बिताया। वहां मैंने योग, माइंडफुलनेस, मौन, ध्यान और खुद से जुड़ने के लिए समय निकाला। यह मेरी जिंदगी का एक अहम मोड़ साबित हुआ।'

### बर्नआउट का हेल्थ पर असर

दरअसल, आधुनिक भारतीय परिदृश्य महिलाओं के लिए



बाद बर्नआउट आम बात हो गई है। यह केवल एक सामाजिक घटना नहीं, बल्कि चिकित्सकीय चिंता का विषय बन गई है। साल 2024-25 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, भारत में लगभग 28.6 प्रतिशत महिलाएं चिंता से ग्रस्त हैं, जबकि 22 प्रतिशत से अधिक महिलाओं में अवसाद के लक्षण पाए गए। असल में ये पारिवारिक जीवन से संबंधित चीजों की योजना बनाने, समन्वय करने और याद रखने के अदृश्य कार्य, मानसिक बोझ का सामूहिक तनाव हैं।

### संतुलन से बनेगी बात

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि प्रति सप्ताह 55 घंटे या उससे अधिक काम करने से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम काफी बढ़ जाते हैं। इनमें हृदय रोग और स्ट्रोक शामिल हैं। इन निष्कर्षों ने काम के लंबे घंटों के बजाय व्यवस्थित लचौलेपन की मांग को और मजबूत किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो बर्नआउट को आईसीडी-11 के तहत एक व्यावसायिक घटना के रूप में वर्गीकृत किया है। यही कारण है कि कार्यस्थल पर बर्नआउट को समस्या को मान्यता मिली है और टिकाऊ कार्य घंटों के बारे में चर्चा तेज हो गई है। इस संदर्भ में लाइफ कोच शोभावी की सलाह ध्यान देने वाली है, वह कहती हैं, 'जीवन वैसे भी संतुलन का दूसरा नाम है। आज के दौर के शहरी जीवन में पुरुष-महिला दोनों का काम करना जरूरी है। क्योंकि महिलाओं की जिम्मेदारी दोहरी हो जाती है। इसलिए उन्हें अपनी सेहत का पूरा खयाल रखना है। अपनी नींद पूरी करनी है। उन्हें अपने खानपान का उतना ही ध्यान रखना है, जितना वे परिवार के दूसरे सदस्यों का रखती हैं। नाश्ते में प्रोटीन लेना नहीं भूलना है और न नियमित अंतराल में पानी पीना। वे जितना अधिक शारीरिक और मानसिक सेहत का ध्यान रखेंगी, उतना अच्छा परिणाम मिलेगा। महिलाएं अपने शौक पूरे कर सकती हैं। दोस्तों एवं परिजनों के साथ छुट्टियों पर जा सकती हैं, क्योंकि जब मन चंगा, तो सब चंगा।'



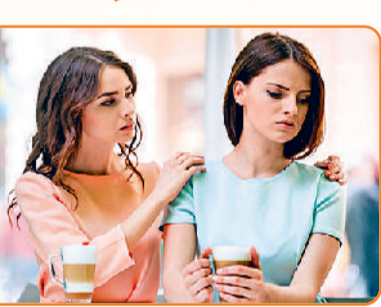
### रिश्ते

दीपिका शर्मा

रिश्तों को निभाना भी एक कला है। जो इस कला को सीख जाता है, वह संतोषजनक जीवन जीता है। वहीं जो इससे वंचित रहता है, वह तनावपूर्ण रिश्ते और असंतोष से घिरा रहता है। रिश्तों में मतभेद होना स्वाभाविक है, क्योंकि दो अलग परिवेश से जुड़े लोगों का मिलन, दो अलग विचारों का मेल होता है। जब विचार अलग होते हैं, तो थोड़ी नोक-झोंक और टकराव होता ही है। लेकिन इसे सहजता से जिया जा सकता है, बजाय मनभेद में बदलकर। क्योंकि जब मनभेद पैदा होता है, तो रिश्तों को निभाना बेहद कठिन हो जाता है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि मनभेद, रिश्तों के टूटने का एक प्रमुख कारण बनता है। ऐसे में जरूरी है कि जहां हमारे विचार भिन्न हों, वहां विचारों का विरोध करें, व्यक्ति का नहीं। वैचारिक भिन्नता को स्वीकारें: हम सबकी सोच अलग हो सकती है, क्योंकि हर किसी के अनुभव, माहौल और परिस्थितियां अलग होती हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं

कभी भी दो लोगों के विचार हमेशा एक समान नहीं हो सकते। ऐसे में रिश्ते को मधुर-मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आपसी मतभेद के बावजूद हम एक-दूसरे का सम्मान करें और उसे मजबूत नैन न बदलने दें।

### मतभेद को न बनने दें मनभेद



जाएंगे। इससे न केवल रिश्ते टूटेंगे, बल्कि समाज भी बिखरने लगेगा। इसलिए कुछ बातें हैं, जो मतभेद को मनभेद बनने से रोक सकती हैं। सम्मान का रखें ध्यान: किसी के साथ असहमति का अर्थ विरोध करना है, अपमान करना नहीं। जब हम किसी की बात से सहमत नहीं होते, तो हमारा पहला कर्तव्य है कि हम अपनी बात को विनम्रता और सम्मान के साथ रखें। कठोर शब्द, ताने या व्यंग्य सामने वाले के मन को आहत करते हैं और बात का मूल उद्देश्य खो जाता है। सम्मान बना रहेगा, तो संवाद के द्वार हमेशा खुले रहेंगे।

बहस करें तो मर्यादा के साथ: बहस का उद्देश्य जीतना नहीं, समझना होना चाहिए। जब बहस मर्यादा से बाहर चली जाती है, तो वह विवाद बन जाती है। आवाज ऊंची करने, व्यक्तिगत आरोप लगाने या पुरानी बातों को उछालने से स्थिति और बिगड़ती है।

सोच बदलिए पर संबंध नहीं: जीवन में परिस्थितियां और अनुभव हमारी सोच को बदलते रहते हैं। यह बदलाव आवश्यक भी है, लेकिन

इस बदलाव के कारण यदि हम अपने रिश्तों को ही बदल दें या तोड़ दें, तो यह भावनात्मक संतुलन को प्रभावित करता है। विचार बदल सकते हैं, पर अपने लोगों के प्रति जुड़ाव और अपनापन बना रहना चाहिए।

बोलने के साथ सुनना जरूरी: अक्सर हम अपनी बात कहने में इतने व्यस्त रहते हैं कि सामने वाले को सुनना ही भूल जाते हैं। सही संवाद तभी संभव है, जब हम ध्यानपूर्वक सुनें और समझने की कोशिश करें। सुनने से गलत फहमियां कम होती हैं।

समय-स्थिति का ध्यान रखें: हर बात कहने का एक सही समय और तरीका होता है। गुस्से में या तनाव के समय की गई चर्चा अक्सर विवाद में बदल जाती है। इसलिए आवश्यक है कि हम सही समय का चयन करें। सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं: हर मतभेद को नकारात्मक रूप में देखने के बजाय, उसे एक अवसर के रूप में देखें, एक-दूसरे को बेहतर समझने का अवसर। हमें यह समझना जरूरी है कि सकारात्मक दृष्टिकोण रिश्तों में मिठास बनाए रखता है।



### स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉन्सेल्टेंट

चेहरा धोने के लिए यूज किए जाने वाले कुछ फेस वॉश में केमिकल्स होते हैं, जिनको लगाने से चेहरे पर दाग, धब्बे उभरने शुरू हो जाते हैं। ऐसे में चेहरा बदसूरत या डल दिखने लगता है। इनसे बचने के लिए अगर आप आसानी से तैयार होने वाले घरेलू हर्बल उत्पादों का चेहरे पर इस्तेमाल करें तो बेहतर परिणाम नजर आएंगे। कच्चा दूध: कच्चे दूध को कॉटन पैड की मदद से चेहरे पर लगाएं और पांच मिनट तक चेहरे की क्लींजिंग करें। इसके बाद चेहरे को साफ ताजे पानी से धो लें। कच्चा दूध कील-मुंहासों को हटाने में मददगार होता है। इसके नियमित इस्तेमाल से चेहरा कोमल-चमकदार हो जाता है। दही: अगर आप रोज सुबह चेहरे पर दही

### ग्लोइंग फेस के लिए इफेक्टिव होम रेमिडीज



लगा सकती हैं। दही, बेसन और हल्दी का फेस पैक स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह सभी स्किन टाइप के लोगों के लिए अच्छा होता है। हल्दी-दूध फेस पैक: आधा छोटा चम्मच हल्दी पावडर में दो छोटे चम्मच दूध मिलाएं। इसे अच्छी तरह से मिलाकर फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। फेस पैक को सूखने दें। हल्के हाथों से खर करके हल्के पानी से त्वचा को साफ कर लें। इस पैक को हफ्ते में दो-तीन बार लगाएं। एलोवेरा जैल: एलोवेरा जैल को त्वचा पर सीधा अर्पण किया जा सकता है। पौधे से निकाला गया जैल पत्ते की लुगदी होती है और पत्तियों के अंदरूनी हिस्सों में पाई जाती

लगा सकती हैं। दही, बेसन और हल्दी का फेस पैक स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह सभी स्किन टाइप के लोगों के लिए अच्छा होता है। हल्दी-दूध फेस पैक: आधा छोटा चम्मच हल्दी पावडर में दो छोटे चम्मच दूध मिलाएं। इसे अच्छी तरह से मिलाकर फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। फेस पैक को सूखने दें। हल्के हाथों से खर करके हल्के पानी से त्वचा को साफ कर लें। इस पैक को हफ्ते में दो-तीन बार लगाएं। एलोवेरा जैल: एलोवेरा जैल को त्वचा पर सीधा अर्पण किया जा सकता है। पौधे से निकाला गया जैल पत्ते की लुगदी होती है और पत्तियों के अंदरूनी हिस्सों में पाई जाती

सकता है। मॉयश्राइजर त्वचा को कोमल, हल्दी और आकर्षक बनाए रखता है। इसके लिए दो-तीन चम्मच कच्चा दूध और इतनी ही मात्रा में शहद लेकर इसका मिश्रण बना लें। इसको अपने चेहरे, गर्दन और शरीर के खुले भागों पर लगाएं फिर आधे घंटे बाद पानी से धो लें। आप इसे दिन में दो बार उपयोग में ला सकती हैं।



### योगा ज्ञान

दिव्यज्योति 'नंदन'

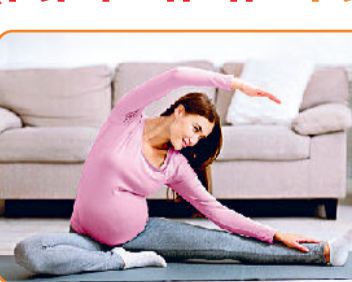
नेटल योगा आमतौर पर बहुत धीमी गति से की जाने वाली वो प्रैक्टिस है, जो गर्भावस्था के दौरान हमारे शरीर में आने वाले शारीरिक और भावनात्मक बदलावों को सपोर्ट करने के लिए की जाती है। यह योगा गर्भावस्था के शुरुआती दिनों से शुरू होकर डिलीवरी तक आसानी से किया जा सकता है। प्री-नेटल योगा आप घर पर



हालांकि प्रेग्नेंसी के दौरान हैवी वर्कआउट या कठिन आसन करना हार्मफुल हो सकता है। लेकिन डॉक्टर की सलाह पर ट्रेनर की निगरानी में अगर कुछ सरल योगासन करें तो आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

### प्रेग्नेंसी के दौरान योगा बरतें सावधानियां

रहकर ऑनलाइन, यू-ट्यूब द्वारा दिखाए गए वीडियो के जरिए भी कर सकती हैं। लेकिन इसे करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर कर लें और योगा ट्रेनर के निर्देशन में करना ही सुरक्षित रहेगा। योगासन करने के फायदे: हल्के-फुल्के योगासन गर्भावस्था में पूरी सुरक्षा देते हैं और इनके जरिए आप श्वास पर नियंत्रण करके अपने रक्त संचार को बेहतर कर सकती हैं। इससे अपने गर्भ में पल रहे बच्चे के साथ अपना एक गहरा कनेक्शन भी महसूस कर सकती हैं। यह योगा प्रैक्टिस, पेन फ्री गर्भावस्था के लिए आपको शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है। आप इन सपोर्टिव प्रैक्टिस को करके एनर्जेटिक फील करती हैं। सावधानी से करें प्रैक्टिस: जो महिलाएं प्रेग्नेट हैं और जिन्होंने अभी तक योगा शुरू नहीं किया है, उनको योगासन करने के लिए सर्टिफाइड प्री-नेटल ट्रेड इंस्ट्रक्टर से ही ट्रेनिंग लेनी चाहिए। शुरुआत में मंद गति से सांस लेना और छोड़ना, शरीर को धीरे-धीरे स्ट्रेच करने और गर्भावस्था के लिए विशेष



तौर पर डिजाइन किए गए बेसिक पोस्चर के साथ योगा करना चाहिए। क्योंकि गर्भावस्था में महिलाओं के शरीर में नए-नए तरह के बदलाव होते हैं। इसके लिए इसे रोज हर हाल में करने की बजाय उतना ही करना चाहिए, जिससे आपको थकान न लगे। ज्यादा कठिन आसन और एडवांस पोस्चर, विशेष तौर पर बिना किसी एक्सपर्ट की गाइडेंस के नहीं करने चाहिए। आपका शरीर जिन आसनों को करने में रिलैक्स फील करे, आपको उतना ही श्रम करना चाहिए, तभी आपका शरीर धीरे-धीरे योगासन के लिए अपने आपको शारीरिक रूप से तैयार कर सकता है।

रखें इन बातों का ध्यान: प्रेग्नेंसी के दौरान योगा करते समय कुछ बातों का ध्यान रखें।

- प्री-नेटल योगासन डॉक्टर की सलाह पर ही योगासन करें।
- श्वास क्रिया, हल्के-फुल्के पोस्चर जैसे केट पोज, मलासन पर ही फोकस करें।
- सीने की मांसपेशियों और एडविक फ्लोर को मजबूती देने वाले आसन ही करें।
- मिडिटेशन और प्राणायाम करें।
- उन्हीं आसनों को करें, जो आपको एकाग्रचित होने में सहयोग करें और आपके लिए आरामदेह साबित हों।
- कमर को पीछे की ओर ज्यादा मोड़ने वाले, अचानक मुद्रा में बदलाव करने वाले, जंप बैक और दूसरे कठिन आसन करने से परहेज रखें।
- कपालभाति या सांस रोकने वाले आसन भी किए जा सकते हैं।
- ज्यादा स्ट्रेचिंग न करें, क्योंकि इन दिनों हार्मोनल बदलाव के कारण शरीर में लचीलापन आ जाता है, जो जोड़ों के सेहत के लिए सही नहीं होता।



मैस कॉनर  
रुनेहा सिंह

पत्नी को खुश करने की कोशिश करने वाले कई पुरुषों को यह गलतफहमी होती है, उन्हें खुश करने के लिए महंगे उपहार देना चाहिए, जबकि वे छोटी-छोटी बातों से बड़ी आसानी से खुश हो जाती हैं, महंगे तोहफे की कोई जरूरत नहीं है। आइए जानते हैं, पत्नी को खुश रखने और उसे खास महसूस कराने के लिए आप किन बातों का ध्यान रखें- अपने प्रेम को अभिव्यक्त करें: अधिकांश महिलाओं को वे पुरुष ज्यादा पसंद आते हैं, जो उनसे खुलकर प्रेम जताते हैं। तो समय-समय पर पत्नी को गले लगाएं, अपने प्यार को शब्दों और व्यवहार से व्यक्त करें। सच्चे प्रेम की अभिव्यक्ति बहुत गहरा असर करती है। इससे न केवल पत्नी खुश होती है, पति-पत्नी दोनों का रिश्ता और गहरा होता है।

कभी-कभी ब्रेकफास्ट बनाएं: अगर आप सुबह उठकर पत्नी के लिए चाय-कॉफी या हल्का नाश्ता बनाएं तो यह उसके लिए एक प्यारा सरप्राइज होगा। आपको नाश्ता और खाना बनाना नहीं आता है तो

डेट नाइट की प्लानिंग करें: शादी के बाद भी पत्नी अपने पति के साथ खास समय बिताना चाहती है। आप कभी-कभी डेट नाइट की प्लानिंग बनाएं। बाहर जाकर किसी अच्छे होटल में पत्नी की पसंद का खाना खाएं, साथ में अच्छा समय बिताएं। इससे उसे महसूस होगा कि वह आपके लिए बहुत खास है।

पत्नी को दें भावनात्मक सुरक्षा: पत्नी की सिर्फ शारीरिक सुरक्षा ही नहीं, भावनात्मक सुरक्षा भी जरूरी है। अपनी भावनाएं पत्नी से साझा करें, साथ ही उसकी भावनाओं को भी समझने की कोशिश करें। मुश्किल समय में उसका साथ दें और उसकी हिम्मत बनें। इससे पत्नी का आपके प्रति भरोसा और भी अधिक बढ़ेगा।

हाथ से बनी हुई भेंट दें: हाथ से लिखा हुआ पत्र, छोटा-सा कार्ड या स्वयं बनाया गया कोई उपहार पत्नी के लिए बेहद खास होता है। यह महंगे तोहफों से भी ज्यादा दिल को छूता है। इसलिए समय-समय पर पत्नी को हाथ से बनी चीजें दें।

सुबह प्यारा सा संदेश भेजें: दिन की शुरुआत एक अच्छे संदेश से करें। स्मार्टफोन इसके लिए बहुत यूजफुल रहेगा। जब सुबह के समय पत्नी को आपका प्यार भरा मैसेज दिखेगा तो यकीन मानिए, आपका एक छोटा-सा प्यार भरा मैसेज पत्नी का पूरा दिन खुशहाल बना देगा। आपको भी उसे खुश देखकर खुशी होगी।

जी हां, दंपत्य रिश्तों में मिठास महंगे उपहारों से नहीं, छोटी-छोटी बातों और सच्चे प्रेम से आती है। इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपनी पत्नी को खुश रख सकते हैं, उसे यह महसूस करा सकते हैं कि वह आपकी जिंदगी में बहुत ही खास है।



आजकल इंटरनेट से नई डिशों की रेसिपी सीखी जा सकती है। एक बार आप नई डिश बनाना शुरू करेंगे तो कोई भी डिश आसानी से बना लेंगे। अच्छे श्रोता बनें: महिलाओं को ऐसे पुरुष अच्छे लगते हैं, जो उनकी बातों को ध्यान से सुनते हैं। जब भी पत्नी आपसे बात करे, तो मोबाइल या टीवी देखने के बजाय उसकी आंखों में देखकर उसकी बातें ध्यान से सुनें। इससे निश्चित ही आपकी पत्नी खुद को खास महसूस करेगी।

खबर संक्षेप



सोनीपत। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ पुलिस अधिकारी।

6 पुलिस कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

सोनीपत। जिला पुलिस में आयोजित विदाई समारोह में सहायक पुलिस आयुक्त क्राइम राजपाल ने सेवानिवृत्त हुए छह कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी। इस अवसर पर आनंदी निरीक्षक रणबीर सिंह, दिलावर सिंह, राम दास, मेहर सिंह, संदीप सिंह और मुख्य सिपाही कुलदीप को उनकी लंबी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। निरीक्षक जसमेर ने बताया कि सभी कर्मचारियों ने पुलिस विभाग को समर्पित भाव से सेवाएं दी हैं। अधिकारियों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वास्थ्य जीवन और उज्वल भविष्य की कामना की।

श्यामल परिवार जाट भवन में बनवाएगा एक कमरा

गोहाना। गांव आहुलाना मूल के सेक्टर-7 निवासी श्यामल परिवार ने जाट भवन के निर्माण में एक कमरा बनवाने अर्थात् 5 लाख रुपये का सहयोग दिया। यह भवन सेक्टर-7 में बनवाया जा रहा है। सरोज बाला राजकीय उच्च विद्यालय आहुलाना में शिक्षक थीं। सोमवार को वह सेवानिवृत्त हो गईं। सेवानिवृत्ति पर उनके जेट रामकुमार श्यामल और पति लाल सिंह श्यामल ने अपनी स्व. माता भतेरी देवी पत्नी रामचन्द्र शास्त्री की स्मृति में जाट भवन के निर्माण में एक कमरा अर्थात् 5 लाख रुपये का सहयोग दिया।

साप्ताहिक शिविर में 38 ने किया रक्तदान

गोहाना। शहर में सोनीपत मोड के समीप स्थित भगवान परशुराम चौक में आयोजित भागराम ट्रस्ट के साप्ताहिक शिविर में 38 नागरिकों ने रक्तदान किया। शिविर के मुख्य अतिथि सुलतान सिंह सैनी थे। शिविर में विशेष रक्तदाताओं में सतीश, उनकी बड़ी भाभी मीना और हरियाणा पुलिस से एएसआई विनोद हट्टा, निरंजित रक्तदाताओं में अंकित, युद्धवीर, राहुल, मनीष, सोनू शर्मा, अमित, सतीश, रवि, मामचंद, विनोद आदि रहे।

कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वाले 95 सदस्यों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज सोनीपत

वरिष्ठ नागरिक परिषद, सोनीपत के तत्वावधान में सेक्टर-14 स्थित सामुदायिक केंद्र में मार्च माह में जन्मे सदस्यों का सामूहिक जन्मोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रमुख संरक्षक महात्मा वेदवति वानप्रस्थी के सान्निध्य में यज्ञ हवन से हुई, जबकि अध्यक्षता परिषद प्रधान बीआर आहूजा ने की और संचालन निवेद कुकरेजा ने किया। यज्ञ के बाद गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मनोहर लाल डबास, राम किशन बत्रा, रामफल वर्मा, देव राज शर्मा, पवन दीप शर्मा, प्रेम प्रकाश

एसडीएम की अध्यक्षता में हुई जिला सड़क सुरक्षा कमेटी की बैठक में दी जानकारी फरवरी में राँगा साइड के 386 और ब्लैक फिल्म के काटे 114 चालान

एनएचएआई को बीसवां मील सर्विस रोड पर संचालित टायर पंचर की दुकानों व गज्जे के जूस के ठेले को तीन दिन के अंदर हटाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज सोनीपत

एसडीएम सुभाष चंद्र ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो सीआरपीएफ कैम्प के पास सड़क पर बने गढ़ों व जलभराव की स्थिति को दुरुस्त कर जल्द से जल्द एटीआर (एक्शन टेकन रिपोर्ट) जमा करवाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो प्राथमिकता के आधार पर सड़क सुरक्षा को लेकर कार्य करें, जिससे प्रत्येक जिलावासी सुगम सड़कों पर बिना किसी रूकावट के सफर कर सके।



सोनीपत। बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारीगण।

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने पर की चर्चा

एसडीएम सुभाष चंद्र ने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे एनएच-44 पर बीसवां मील के सर्विस लेन पर अवेध रूप से संचालित टायर पंचर की दुकानों व गज्जे के जूस के ठेलों को तीन दिन के अंदर हटाएं। इस दौरान एनएचएआई के अधिकारियों के साथ जिला के राष्ट्रीय राजमार्गों को इंटरकनेक्ट करने व एनएच-44 पर फूट ओवर ब्रीज के विषय पर भी चर्चा की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की विभिन्न लोकेशनों, हाटस्पॉट पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान संबंधित विभाग को केजीपी के साथ लगे साइड वेडर को भी हटाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान एसपीटी योगेश दिल्ली, सीटीएम डॉ. अनमोल, एसडीएम प्रवेश कादियान, नगर निगम की संयुक्त आयुक्त मीतू धनखड, एसपी मलकीत सिंह व अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि जिला की किसी भी सड़क पर जाम की स्थिति न बने, जिससे की समय की बर्बादी हो। सोनीपत के लघु

एसडीएम की अध्यक्षता में हुई डीटीपी की मासिक बैठक

एसडीएम सुभाष चंद्र की अध्यक्षता में लघु सचिवालय में डीटीपी की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। एसडीएम ने निर्देश दिए कि अवेध निर्माण को शुरूआती दौर में ही ध्वस्त किया जाए। अवेध निर्माण करने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटा जाए व एफआईआर कराई जाए। डीटीपी अजमेर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 फरवरी से 30 मार्च तक आठ अवेध निर्माणों को ध्वस्त किया गया व छह शिकायतें हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो, मिमरपुर के एसएचओ की दी गईं। इस दौरान अवेध निर्माण करने वालों से 07 हजार 920 रूपए की राशि विवेक शूलक के रूप में प्राप्त की गई। एसएमडीपी डीटीपी नीलम शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 फरवरी से 30 मार्च तक तीन अवेध निर्माणों को ध्वस्त किया गया व दो शिकायतें हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो, मिमरपुर के एसएचओ की दी गईं। उन्होंने बताया कि इस दौरान फिरोजपुर बांगर, खरखौदा में अवेध निर्माणों को ध्वस्त करने के लिए विशेष कार्यक्रम भी चलाया गया। बैठक के दौरान अधिकारियों के बीच कंट्रोल परिया व अर्बन परिया को लेकर चर्चा भी की गई।

सचिवालय में सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा कमेटी की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सड़क सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से संबंधित विभागों के साथ चर्चा की गई। जिसमें फरवरी माह के चालान रिपोर्ट का विश्लेषण करते हुए बताया कि ओवर स्पीड 66, बिना हेलमेट 227, बिना सीटबेल्ट 197, ड्राइव करते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल

न्यूज डायरी



विधायक ने सुनी हलके के लोगों की समस्याएं

गन्जीर। सोमवार को विधायक देवेन्द्र कादियान ने अपने विजो कार्यालय पर खुला जनता दरबार लगाकर शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों की सार्वजनिक व निजी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देश दिए। जनता दरबार में सर्वाधिक शिकायतें बिजली, पेंशन, गली व सड़क खस्ताहाल, राशन कार्ड, पुलिस समेत कई विभागों से संबंधित थी। विधायक ने सभी कार्यालयों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। कादियान ने कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।



महिला विवि के चार कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

गोहाना। मगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) के महिला बहुतकनीकी संस्थान के दो और माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेद संस्थान व कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के एक-एक कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गए। कुलपति प्रो. सुदेश ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें सुखद एवं स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं। प्रो. सुदेश ने कहा कि गुरुकुल से विवि तक के सफर में इन कर्मचारियों का बहुत सहयोग रहा है। उनकी सकारात्मक सोच का छात्रों के चहुमुखी विकास में अमूल्य योगदान रहा है। इस अवसर पर महिला विवि के कुलपति प्रो. शिवलाल यादव ने कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह संस्थान आज भी आपका है और आगे भी आपका रहेगा।



सोनीपत। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत करती प्राचार्या साथ में स्टाफ।

प्राचार्य ने परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज गोहाना

गांव छिड़ड़ाना स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को मेधावी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विद्यालय के वार्षिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित हुए। अध्यक्षता प्राचार्य बजरंग लाल शर्मा ने की और संयोजन संस्कृत प्रवक्ता सतनारायण वशिष्ठ ने किया। वार्षिक परीक्षाओं के परिणाम में कक्षा 11वीं कला संकाय में कल्पना प्रथम, मुस्कान द्वितीय, आरती तृतीय, 11वीं विज्ञान संकाय में कोमल, अंकिता और होमन, कक्षा 9वीं में बबीता, साहिल और सोनाली, कक्षा 8वीं में कोमल,



गोहाना। वार्षिक परीक्षाओं में मेधावी विद्यार्थी अपने गुरुजनों के साथ।

किरण और मोनिका, कक्षा 7वीं में मुस्कान, पायल और अर्पिता, कक्षा छठी में जीविका, रेखा और प्रिया रही। कक्षा 5वीं में रवि, सानवी, दीपति और चिराग, कक्षा चौथी में वंश, गुंजन और आर्यन, कक्षा तीसरी में वंश, नीरव और योगेश, कक्षा दूसरी में रिया, पूर्वी और दक्ष, कक्षा

बाल मंदिर का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

सोनीपत। बाल मंदिर दयानन्द मॉडर्न हाई स्कूल मॉडल टाऊन सोनीपत का परीक्षा परिणाम सोमवार को घोषित किया गया। प्रधानाचार्य गीता सहगल ने समस्त विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों का समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य हेतु प्रेरणा प्रदान करते हुए भविष्य में अत्यधिक परिश्रम करने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य गीता सहगल ने समस्त विद्यार्थियों, शिक्षक वर्ग, स्टाफ और अभिभावकों को धन्यवाद किया और शुभकामनाएं दीं।



गुरु-शिष्यों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ डाली आहुति

गोहाना। गीता विद्या मंदिर, गोहाना द्वारा गांव मुंडलाना में शिशुवाटिका स्थापित की गई। सोमवार को हवन के साथ इसका शुभारंभ किया गया। हवन में गुरु और शिष्यों ने मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां डालीं। विद्यालय की गांव बरोदा स्थित शिशुवाटिका-2 में भी हवन के साथ नए शैक्षणिका सत्र का शुभारंभ किया गया। सत्र के प्रथम दिवस पर विद्यालय द्वारा बच्चों का तिलक लगाकर एवं प्रसाद देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर आचार्या दीपिका, सीमा, ललिता, ज्योति एवं पुष्पा उपस्थित रहीं।

मां सरस्वती की अराधना कर हवन के साथ शाला प्रवेश

सोनीपत। विद्यालय के नवीन सत्र आरंभ के अवसर पर ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में शाला प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मां सरस्वती की अराधना के साथ हवन कार्यक्रम संपन्न किया गया। जिसमें विद्यालय प्रिंसिपल नीरज शर्मा, निदेशक रीमा शर्मा, प्रधानाचार्य चंचल शर्मा, मीतू शर्मा के साथ समस्त वर्ल्ड एकेडमी परिवार उपस्थित रहे। हवन के पश्चात नीरज शर्मा ने सभी को आगामी सत्र के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि अब समय है अनुशासन और नए संस्करण, नवीन विचारधारा के साथ निरंतर आगे बढ़ने का। वेते तो हर दिन नई शुरुआत लेकर आता है फिर भी आज इस शाला प्रवेश की अवसर पर नए



संस्करण निश्चित कर अपने लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग पर अग्रसर हों। रीमा शर्मा ने भी छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों को भी संबोधित करते हुए टीम वर्क के साथ कार्य करने की सलाह देते हुए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु सभी को प्रेरित किया।

राज्य समन्वयक ने स्वयंसेवकों का बढ़ाया उत्साह

सोनीपत। सी.आर.ए कॉलेज, सोनीपत में एनएचएस इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष डे-नाइट कैम्प के पांचवें दिन की शुरुआत प्राणायाम और योग अभ्यास के साथ हुई। इसके बाद विनमर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कैम्प के दौरान छोट्टी राम आर्य महाविद्यालय में हरियाणा के एनएचएस कोऑर्डिनेटर डॉ. दिनेश कुमार ने निरीक्षण दौरा किया। उन्होंने स्वयंसेवकों से बातचीत कर उनके अनुभव जाने और एनएचएस के उद्देश्य व महत्व पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान



उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ भोजन भी किया। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. उषा देहिया ने पुरुष गुरु देकर उनका स्वागत किया और कैम्प की गतिविधियों की जानकारी दी।

श्री ठाकुरद्वारा पंचायती मंदिर में वार्षिकोत्सव में दिखी भक्ति की झलक भगवान श्रीकृष्ण लीलाओं के मंचन से किया मंत्रमुग्ध

हरिभूमि न्यूज सोनीपत

हलवाई हट्टा स्थित श्री ठाकुरद्वारा पंचायती मंदिर में चल रहे सात दिवसीय वार्षिकोत्सव एवं श्री हनुमान जन्मोत्सव का सोमवार को तीसरा दिन रहा। मंदिर परिसर में आयोजित श्रीकृष्ण लीला में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, गोपियों संग महारास एवं भक्तमती मीराबाई के बालरूप, उनके गिरधर गोपाल जी से लगाव, ससुराल वालों के किए गए अत्याचारों व अंत में उनके ठाकुर जी की प्रतिमा में समा जाने के प्रसंगों का भव्य मंचन किया गया। वृंदावन से आए कलाकारों ने सौरभ द्विवेदी के निर्देशन में श्रीकृष्ण लीलाओं का मंचन कर श्रद्धालुओं



सोनीपत। श्री ठाकुरद्वारा पंचायती मंदिर में श्रीकृष्ण लीला का मंचन करते कलाकार।

को भाव विभोर किया। श्रीराम ज्योतिषी, धर्मशास्त्रा नियामत राय केदारनाथ सोसायटी, श्री लक्ष्मी नारायण बालाजी मंदिर, महावीर कॉलोनी के पदाधिकारियों ने श्रीराधा-कृष्ण की आरती में भाग लिया। लीला के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारियों ने



सोनीपत। प्रभातफेरी निकालते इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्य।

प्रभातफेरी में श्रीमद्भागवत कथा का किया प्रचार

सोनीपत। इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से सोमवार को हरिनगम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी सुबह मुरथल रोड स्थित धर्मशास्त्रा नियामत राय केदारनाथ से प्रारंभ की गई, जो राली गली, चौहट्टा मोहल्ला, हलवाई हट्टा होते हुए मुरथल अड्डा स्थित श्याम मिठान मंदिर पर संकीर्तन के साथ संपन्न हुई। प्रभातफेरी के दौरान समिति सदस्यों ने हरिनगम का गुणगान कर प्रसाद वितरण किया। मार्ग में प्रभातफेरी का दामोदरदास, सीए कुन्देवप कुमार, मोहनलाल कुच्छल सहित काफी श्रद्धालुओं ने प्रभातफेरी का पुष्प चर्च से स्वागत किया। प्रभातफेरी के दौरान नंदवानी नगर स्थित राधा कृष्ण मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के लिए लोगों को आमंत्रित किया गया।



सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचे निवर्तमान मेयर राजीव जैन को सम्मानित करते हुए।

हनुमान जयंती की तैयारियों के हिंदुसल के दौरान हनुमान स्वरूपों ने बांध सगं

सोनीपत। हनुमान जयंती की तैयारियों के तहत शहर में धार्मिक कार्यक्रमों और रिहर्सल का दौर जारी है। राधा कृष्ण मंदिर, मशहद मोहल्ला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हनुमान स्वरूप धारण किए युवाओं ने ढोल की थाप पर भक्ति भाव से नृत्य किया, वहीं श्रद्धालु जय श्रीराम के जयकारों से उनका उत्साह बढ़ाते नजर आए। कार्यक्रम में निवर्तमान मेयर राजीव जैन ने पहुंचकर प्रसाद-अर्चना की और आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि 2 अप्रैल को हनुमान जयंती पर पूरा शहर भक्ति में सराबोर रहेगा। मंदिर में लकड़ी और गंधित 40 दिनों से बहमचर्य दत्त का पालन कर साधना कर रहे हैं। वहीं कच्चे तवाट्टर स्थित हनुमान मंदिर में भी भव्य रिहर्सल आयोजित की गई। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

NOTICE

I, Parveen Kumar S/o Sh. Raj Singh R/o Vill. Chitana Teh. & Dist. Sonpat declare that my father's D.O.B. is wrongly mentioned in my Army Documents as 01.01.1967 whereas is correct D.O.B. is 15.03.1967 as per in Aadhar Card and Pan Card. My above Statement is True and Correct as per my knowledge and Belief.

न्यायालय श्री जतिन्द्र गिल, नायन तहसीलद्वारा एवं सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी गोहाना। केस नं.: 290/बी, तिथि दायरा: 09/02/2024 तिथि परी: 01/05/2026, किम्य मुकदमा: तकमिन मीठा: गोहाना

1- इस्वीन पुर मुनर लाल पुर गोश्रा वस 2- श्रीमती 3- गंगामय 4- बलराम पुरान श्री नरसिंह पुर श्री तुलसीचन्द 5- श्रीमती कविता पत्नी श्री जगन्ना पुर ईश्वर 6- श्रीमती सुशीला पत्नी श्री जोग सिंह पुर रामकिशन 7- श्रीमती निशा पत्नी श्री विकी लाल पुर रामनल 8- सुरेश पुर श्री चान सिंह पुर श्री दुर्गाचन्द 9- राधेश पुर श्री सीराम पुर श्री दुर्गाचन्द 10- सतीश पत्नी श्री सत्यपाल पुर श्री धनोप 11- नीला देवी पत्नी श्री जयपाल पुर श्री मीर सिंह 12- श्रीमती कविता पत्नी श्री सुनील पुर श्री सतनारायण 13- श्रीमती सविता पत्नी श्री धर्मवीर पुर श्री. रामचारी 14- श्रीमती पुनम पत्नी श्री राजेश पुर श्री सहव सिंह 15- श्रीमती कविता, पत्नी श्री चतेश पुर श्री संवत सिंह 16- श्रीमती श्रीराम पत्नी श्री रमेश पुर श्री हरिचन्द्र 17- श्रीमती मुंकाश पत्नी श्री गायत्री पुर श्री राम सिंह 18- श्रीमती सुनीता पत्नी श्री नरपतमान पुर श्री हवामिंह 19- श्रीमती सुनीता पत्नी श्री नरि सिंह पुर श्री चन्दन उर्फ मूल 20- श्रीमती कमला पत्नी श्री जयपाल पुर श्री दुर्गाचन्द 21- श्रीमती कविता पत्नी श्री जयेश पुर श्री रामकिशन 22- सरनाम पुर श्री रोशन लाल पुर श्री मोहन 23- रामेश पुर श्री नरसिंह पुर श्री दुर्गाचन्द 24- श्रीमती सती पत्नी श्रीकेश पुर श्री रामकुमार 25- श्रीमती उषा पत्नी श्री नववीर कुमार पुर श्री हरमनपान 26- श्रीमती कविता पत्नी श्री राकेश पुर श्री रामकिशन 27- श्रीमती सावित्री पत्नी श्री फकीर पुर श्री हरि सिंह 28- श्रीमती निशा पत्नी श्री दिगल लाल पुर श्री रामनल 29- नालथ पत्नी श्री खजान सिंह पुर श्री इन्द्र सिंह 30- राधेश पुर श्री सीराम पुर श्री बरधारा 31- श्रीमती कमलेश पत्नी श्री चन्दे पुर श्री भूमि 32- श्रीमती प्रिंका पत्नी श्री सुरेश पुर श्री रामकिशन निवासोपान गांव बकीरपुर, गोहाना, जिला सोनीपत। पक्ष अध्वल

